हे मात मेरी, हे मात मेरी
हे मात मेरी, हे मात मेरी (2)
कैसी ये देर लगायी हे दुर्गे
हे मात .....

भवसागर में घरि पड़े हैं
प्रमादी ग्रह में गरि पड़े है (2)
मोह आदी जालों में जकड़े पड़े हे
हे मात मेरी .....

चरण कमल की नौका बना कर माँ
हम पार होगे खुशी मना कर
यमदूतों को मार भगा कर
हे मात मेरी .....